लगातार दूसरे दिन टूटे व्यापक बाजार

बीएस संवाददाता
मुंबई, 26 मार्च

बुधवार को बेंचमार्क सूचकांकों ने अपनी सात दिन की बढ़त का सिलसिला खत्म कर दिया, जिसकी वजह मुनाफावसूली और अगले सप्ताह होने वाली अमेरिकी टैरिफ घोषणाओं को लेकर अनिश्चितता थी। निफ्टी-50 में 0.77 फीसदी यानी 182 अंकों की गिरावट आई और यह 23,487 पर बंद हुआ जबकि सेंसेक्स 729 अंक यानी 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 77,288 पर टिका। गिरावट के बाद दोनों सूचकांकों के लिए सालाना आधार पर रिटर्न ऋणात्मक क्षेत्र में चला गया।

व्यापक बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही, जिसमें निफ्टी मिडकैप-100 और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक क्रमशः 0.6 फीसदी और 1.1 फीसदी नीचे आए। यह गिरावट छह दिनों की तेजी के बाद आई है, जिसके दौरान दोनों सूचकांकों में लगभग 10 फीसदी की वृद्धि हुई थी। पिछले सात सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में 5.7 फीसदी का इजाफा हुआ था, जिसे नए सिरे से विदेशी निवेश और मूल्यांकन के लिहाज से खरीद से सहारा मिला था।

इस उम्मीद से भी निवेशकों का उत्साह बढ़ा था कि आने वाला अमेरिकी प्रशासन टैरिफ पर नरम रुख अपना सकता है, जिससे कुछ देशों और क्षेत्रों को छूट मिल सकती है। हालांकि बुधवार की गिरावट ने मनोदशा में बदलाव को दर्शाया।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एनटीपीसी और ज़ोमैटो में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई और दोनों 3 फीसदी से ज्यादा टूटे। ज़ोमैटो और स्विगी के शेयरों पर तब दबाव देखने को मिला जब बोफा ने उनके शेयरों की रेटिंग घटा दी, जिसमें उनके क्विक कॉमर्स वेंचर्स में बढ़ते घाटे का हवाला दिया गया।

बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का अनुपात कमजोर रहा और बीएसई पर 919 शेयर चढ़े जबकि 3,115 में गिरावट आई।

मेहता इक्विटीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, हाल ही में आई तेजी के बाद बाजार बिकवाली के दबाव में आ गया क्योंकि निवेशकों ने अगले महीने से ट्रंप प्रशासन द्वारा आयात शुल्क लगाए जाने की आशंका से पहले अपने निवेश में कटौती की।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एनटीपीसी और ज़ोमैटो में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई

निवेशक सुरक्षित तरी के से निवेश करना चाहेंगे और अपने इक्विटी निवेश कमी करना पसंद करेंगे। क्योंकि जवाबी शुल्क व्यवस्था की शुरुआत को लेकर अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगले सप्ताह होने वाली अमेरिकी टैरिफ घोषणाओं से पहले हाल ही में हुई बढ़त के बाद बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिली। उन्होंने कहा, अमेरिकी बाजार में फार्मा और आईटी जैसे अधिक निवेश वाले क्षेत्रों में कुछ बिकवाली दबाव देखने को मिली है। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों और अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में कमी की आशंका के कारण तेल की कीमतों में थोड़ी तेजी आई है।

निफ्टी ऑटो को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान के साथ बंद हुए। निफ्टी आईटी में करीब 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जबकि निफ्टी बैंक में 0.8 फीसदी की नरमी देखने को मिली। निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल ऐंड गैस में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी-50 हालांकि अपने हाल के उच्चतम स्तर से 400 अंक से अधिक नीचे है, लेकिन यह प्रमुख मूविंग एवरेज से ऊपर बना हुआ है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा, तात्कालिक समर्थन 23,400 के आसपास है, जो 100 और 200 दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज के साथ मेल खाता है।

5वें वित्त वर्ष में निफ्टी 50 को पीछे छोड़ेगा निफ्टी मिडकैप 100

दीपक कोरगांवकर और पुनीत वाधवा
मुंबई/नई दिल्ली, 26 मार्च

एनएसई मिडकैप 100 सूचकांक लगातार 5वें वित्त वर्ष में निफ्टी 50 सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन करने जा रहा है। उसका यह प्रदर्शन सरकार के स्वामित्व वाली रक्षा कंपनियों के अलावा वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) और कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी शेयरों में बढ़त के बल पर होगा। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2024-25 में निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में अब तक 8.1 फीसदी की तेजी आई है जबकि निफ्टी 50 और एनएसई स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 6-6 फीसदी का इजाफा हुआ है।

सितंबर 2024 के 60,925.95 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से करीब 15 फीसदी गिरावट के बावजूद मिडकैप इंडेक्स ने वित्त वर्ष के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया है। निफ्टी 50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से क्रमशः 9.9 फीसदी और 18.3 फीसदी टूटे हैं।

वित्त वर्ष 24 में मिडकैप इंडेक्स में 60.1 फीसदी की तेजी आई थी जबकि निफ्टी 50 में 28.6 फीसदी का इजाफा हुआ था। वित्त वर्ष 23 में मिडकैप इंडेक्स में 1.2 फीसदी की तेजी आई थी जबकि निफ्टी 50 में 0.6 फीसदी का नकारात्मक रिटर्न यानी घाटा हुआ। इसके अलावा स्मॉलकैप इंडेक्स में 13.8 फीसदी की गिरावट आई थी।

वित्त वर्ष 2025 में मिडकैप शेयरों में तेजी घरेलू संस्थागत निवेशकों के नकदी निवेश के कारण आई जिन्होंने वित्त वर्ष 2025 के दौरान इक्विटी में रिकॉर्ड 6 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। इनमें से म्युचुअल फंडों ने 4.79 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया।

लेकिन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इक्विटी से 2.7 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने मुख्य रूप से प्राथमिक बाजार के जरिये इक्विटी में 1.2 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध नकदी का निवेश किया।

निफ्टी में सर्वकालिक उच्चतम स्तर से 10 फीसदी की गिरावट और मिड एवं स्मॉल कैप में 15 से 18 फीसदी की गिरावट को देखते हुए विश्लेषकों का मानना है कि अब कीमतें ज्यादा उचित हो गई हैं और मौजूदा बाजार में लंबी अधि में धन सृजन के आकर्षक मौके हैं।

इक्विनॉमिक्स रिसर्च के संस्थापक और शोध प्रमुख जी चोकालिंगम के अनुसार स्मॉल और मिडकैप खंडों में अल्पावधि के लिहाज से लार्जकैप के मुकाबले ज्यादा तेजी से

बहाली की संभावना है क्योंकि एफआईआई की निकासी के बावजूद खुदरा निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों में भरोसा अभी भी बना हुआ है। उन्होंने कहा, हालिया गिरावट के बाद कई मिडकैप शेयरों का मूल्यांकन अब आकर्षक हो गया है। घरेलू इक्विटी में निवेश बढ़ाने के लिए यह सही समय है।

मूल्यांकन के आधार पर

वेलेंटिस एडवाइजर्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक ज्योतिवर्धन जयपुरिया ने कहा, मौजूदा हालात में स्मॉल और मिड-कैप अपेक्षाकृत ज्यादा महंगे दिख रहे हैं और वित्त वर्ष 26 की शुरुआत में इनका प्रदर्शन खराब रहने की संभावना है। हालांकि वित्त वर्ष 26 के अंत तक लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप का रिटर्न एकसमान रहने की संभावना है।

जयपुरिया का मानना है कि हमें वित्त वर्ष 26 में बाजारों से ऊंचे एक अंक में रिटर्न की उम्मीद है। लार्ज-कैप का मूल्यांकन उचित हो गया है और बाजार एक साल की अग्रिम आय के लगभग 18.5 गुना पर कारोबार कर रहा है और यह ज्यादातर 10 साल के औसत के अनुरूप है। आय वृद्धि भी वित्त वर्ष 26 में लगभग 10 से 12 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। भारतीय रिजर्व बैंक की पहल की बदौलत सिस्टम में नकदी वापस आ गई है। एफआईआई का रुख अभी भारत पर कमजोर हैं और आने वाले वर्ष में इसमें बदलाव की संभावना है।

अलग-अलग शेयरों की बात करें तो मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स 28 मार्च 2024 के 932.05 रुपये से 181 फीसदी बढ़कर 2,614.50 रुपये पर पहुंच गया। कोचीन शिपयार्ड, भारत डायनेमिक्स और रेल विकास निगम में 46 फीसदी से 67 फीसदी तक की तेजी आई है।

इस बीच, आईसीआईसीआई डायरेक्ट के शोध प्रमुख पंकज पांडे को उम्मीद है कि चुनाव से जुड़ी अनिश्चितता खत्म हो जाने और विकासोन्मुखी केंद्रीय बजट के बाद वित्त वर्ष 2026 से कंपनियों की आय दो अंक में बढ़ेगी।

अल्पावधि में बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका : गोल्डमैन सैक्स

पुनीत वाधवा
नई दिल्ली, 26 मार्च

गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि बाजारों में अल्पावधि के दौरान उतार-चढ़ाव बना रहेगा क्योंकि संपूर्ण मूल्यांकन सितंबर 2024 के ऊंचे स्तरों से काफी नीचे आ गया है। गोल्डमैन सैक्स उभरते बाजारों (ईएम) में भारत पर 'मार्केटवेट' और उसने गुणवत्ता से जुड़ी वृद्धि और आय संभावना पर ध्यान देने की सिफारिश की है।

गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने हाल में अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है, 'हमारी रणनीति टीम का भी मानना है कि आर्थिक विकास और आय के मामले में सबसे बुरा दौर पीछे रह गया है और कीमतों में बड़ा बदलाव आया है। लेकिन उन्हें अल्पावधि में बाजार में अधिक उतार-चढ़ाव की आशंका है क्योंकि स्मॉलकैप-मिडकैप शेयरों में घरेलू निवेश की स्थिति अभी भी मजबूत है और टैरिफ से जुड़ी वैश्विक अनिश्चितता बरकरार है।'

मौजूदा हालात को ध्यान में रखते हुए गोल्डमैन सैक्स ने ऐसे 10 शेयरों की पहचान की है जो अगले 12 महीनों के दौरान 23 फीसदी की तेजी दर्ज कर सकते हैं। इन शेयरों में एचडीएफसी बैंक, एयू स्मॉल फाइनैंस, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम), एमएमवाईटी, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स ऐंड सेज,

एचडीएफसी बैंक, एयू स्मॉल फाइनैंस, एमऐंडएम जैसे शेयर दे सकते हैं दमदार रिटर्न

पावर ग्रिड, अपोलो हॉस्पिटल्स, टाइटन और जीसीपीएल मुख्य रूप से शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इन कंपनियों ने अपने क्षेत्रों में मजबूत पहचान बनाई है और इनमें सकारात्मक कारकों या दमदार ईपीएस वृद्धि की रफ्तार के कारण अगले 12 महीनों के दौरान अच्छा रिटर्न देने की संभावना है। हमारे अनुमान के अनुसार ये कंपनियां वित्त वर्ष 2025-27 के दौरान 25 फीसदी की औसत आय वृद्धि और 24 फीसदी आरओई दर्ज कर सकती हैं।'

सितंबर 2024 के अपने ऊंचे स्तर से निफ्टी-50 सूचकांक करीब 10 फीसदी नीचे आया है। गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि प्रति शेयर आय (ईपीएस) वृद्धि में कटौती के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में मूल्यांकन मल्टीपल में तेज गिरावट के कारण निफ्टी पर दबाव पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 के ईपीएस अनुमान में औसतन 7 प्रतिशत की कटौती की गई है।

वृद्धि की चिंता

आर्थिक मोर्चे पर गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि विकास में मंदी संरचनात्मक के बजाय चक्रीय है और यह काफी हद तक नीतिगत सख्ती को बताती है।

गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने कहा, 'हाल में नीतिगत सहजता के कुछ उपाय (केंद्रीय बजट में आयकर में छूट और आरबीआई द्वारा नीतिगत दरों में कटौती) वर्ष के अंत में वास्तविक जीडीपी वृद्धि को फिर से बहाल करने में मददगार हो सकते हैं। हमारे अर्थशास्त्रियों को कैलेंडर वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में 6.4 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। इन अनुमानों के जोखिम काफी हद तक भारत पर अमेरिका का संभावित जवाबी शुल्क के प्रभाव से जुड़े हुए हैं।'

'5 में से 1 यूएचएनआई चाहता है विदेश में बसना'

बीएस संवाददाता
मुंबई, 26 मार्च

कोटक महिंद्रा बैंक की इकाई कोटक प्राइवेट बैंकिंग द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि प्रत्येक पांच में से एक अल्ट्रा-हाई-नेटवर्थ व्यक्ति (यूएचएनआई) अपने जीवन स्तर में सुधार लाने, हेल्थकेयर समाधान, शिक्षा या जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए भारत से बाहर जाने की सोच रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये व्यक्ति अपनी भारतीय नागरिकता बरकरार रखते हुए अपने पसंदीदा मेजबान देश में स्थायी रूप से निवास करना चाहते हैं।

यह सर्वेक्षण वित्त वर्ष 2025 की पहली दो तिमाहियों में कराया गया, जिसमें 150 यूएचएनआई ने हिस्सा लिया था।

पसंदीदा गंतव्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं, जहां की गोल्डन वीजा योजना काफी आकर्षक है।

रिपोर्ट में यूएचएनआई के निवेश दृष्टिकोण का भी खुलासा किया गया है, जिसमें पोर्टफोलियो में घरेलू और वैश्विक इक्विटी बाजारों को प्राथमिकता दी गई है, इसके बाद वाणिज्यिक अचल संपत्ति, ऋण और वैकल्पिक निवेश का स्थान है।

जेबी केमिकल्स का हिस्सा बेचेगी केकेआर की इकाई

वैश्विक प्राइवेट इक्विटी फर्म केकेआर की तरफ से प्रबंधित और इससे जुड़ी हुई इकाई टाउ इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स जेबी केमिकल्स ऐंड फार्मास्युटिकल्स की 10.2 फीसदी हिस्सेदारी गुरुवार को बेचेगी। पीई दिग्गज 1,625 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर 1.59 करोड़ शेयर बेचेगी, जो आखिरी बंद भाव 1,709 रुपये से करीब 5 फीसदी कम है। इस बिकवाली से केकेआर को 2,576 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। दिसंबर तिमाही के आखिर में प्रवर्तक इकाई के तौर पर वर्गीकृत टाउ के पास जेबी केमिकल्स की 53.66 फीसदी हिस्सेदारी थी। *बीएस*

बोनस शेयर पर 30 मार्च को विचार करेगा बीएसई

स्टॉक एक्सचेंज बीएसई 30 मार्च को होने वाली निदेशक मंडल की बैठक में बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। बोर्ड से मंजूरी के बाद बोनस इश्यू को अन्य नियामकीय मंजूरी की दरकार होगी। यह घोषणा बीएसई की स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने के आसपास हो रही है। *बीएस*

स्टॉक ब्रोकिंग कारोबार में उतरी मोबिक्विक

फिनटेक फर्म मोबिक्विक ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मोबिक्विक सिक्योरिटीज ब्रोकिंग के शुभारंभ की घोषणा के साथ स्टॉक ब्रोकिंग क्षेत्र में कदम रखा है।

कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी मामलों के मंत्रालय ने कंपनी की प्रतिभूति ब्रोकिंग शाखा के निगमन को मंजूरी दे दी है।

कंपनी देश और विदेश में विभिन्न स्टॉक और कमोडिटी एक्सचेंजों का सदस्य बनने की योजना बना रही है। यह शेयर, स्टॉक, सिक्योरिटीज, डेट इंस्ट्रूमेंट्स, कमोडिटीज, करेंसी और उनके डेरिवेटिव्स के कारोबार में फर्म की शुरुआत को दर्शाता है।

मोबिक्विक सिक्योरिटीज ब्रोकिंग की स्थापना 1 लाख रुपये की प्रारंभिक पूंजी के साथ की गई है, जबकि मूल कंपनी एक या अधिक किस्तों में अतिरिक्त 2 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है।

मोबिक्विक ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 55.2 करोड़ रुपये का समेकित घाटा दर्ज किया, जो पिछले साल इसी समय 5.27 करोड़ रुपये के लाभ के बाद हुआ। क्रमिक रूप से फिनटेक कंपनी ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में 3.59 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था। *बीएस*

जेपी मॉर्गन से मिली एनटीपीसी, पावर ग्रिड को ओवरवेट रेटिंग

साई अरविंद
मुंबई, 26 मार्च

जेपी मॉर्गन ने एनटीपीसी और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन पर ओवरवेट कवरेज शुरू किया, जिसमें बिजली की बढ़ती मांग का हवाला दिया गया है। साथ ही कहा गया है कि क्रियान्वयन की चुनौतियों के कारण इस क्षेत्र के अन्य शेयरों का मूल्यांकन ज्यादा है। ब्रोकरेज ने टाटा पावर और टॉरंट पावर पर 'न्यूट्रल' रेटिंग के साथ कवरेज की शुरुआत की, जबकि जेएसडब्ल्यू एनर्जी पर 'अंडरवेट' रुख अपनाया। रिसर्च फर्म के विश्लेषकों ने एक नोट में कहा है कि ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें महंगे शेयरों का पीछा करना समझदारी भरा हो सकता है, लेकिन बिजली उनमें से एक नहीं है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि इस बीच भारतीय इलेक्ट्रिक यूटिलिटीज और स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) को संरचनात्मक बिजली मांग वृद्धि और सर्वोच्च स्तर पर बिजली की मांग के लिए बहुत ज्यादा सख्त मांग-आपूर्ति संतुलन का सामना करना पड़ रहा है। इससे थर्मल कैपेक्स के मौके में वृद्धि हो रही है, जिससे एनटीपीसी को लाभ होगा और ट्रांसमिशन कैपेक्स के अवसर से पावर ग्रिड को लाभ होगा।

जेपी मॉर्गन ने कहा कि 2010 के "क्रूर दशक" के बाद स्टील उद्योग ने खुद को मजबूत किया है, जिसमें दिवालिया की कई घटनाएं देखी गई, जिसमें बचे हुए को फिर से विकास का लाभ मिला। हालांकि, बिजली एक कठिन क्षेत्र है और कई चुनौतियां बनी हुई हैं, जैसे वितरण कंपनियों की कमज़ोर वित्तीय सेहत, अक्षय ऊर्जा खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर करने में देरी, सामान्य निष्पादन में देरी और नियामक हस्तक्षेप आदि। इसके अनुसार, कोविड के बाद बिजली की मांग में मजबूत वृद्धि, भुगतान में देरी के समाधान और अक्षय ऊर्जा विकास की संभावनाओं व उच्च ट्रेडिंग गुणकों के कारण शेयरों की रेटिंग में तेजी से बदलाव हुआ है।

बसंत माहेश्वरी पर जुर्माना : यूट्यूब वीडियो कैप्शन में अतिशयोक्ति के कारण निवेश सलाहकार बसंत माहेश्वरी विनियामक संकट में फंस गए हैं। सेबी ने निवेश सलाहकार मानदंडों के कथित उल्लंघन और विज्ञापन कोड का पालन न करने के लिए बसंत माहेश्वरी वेल्थ पर 4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अपने आदेश में सेबी ने कई खामियों को उजागर किया है, जिसमें फर्म द्वारा ऑडिट कराने में विफलता और फिक्स्ड और ऐसेट अंडर एडवाइस से ग्राहकों से शुल्क वसूलने का चलन शामिल है। *बीएस*

UJJIVAN SMALL FINANCE BANK

पंजीकृत कार्यालयः ग्रेप गार्डन, नं. 27 तीसरा 'ए' क्रास, 18वाँ मेन, 6वाँ ब्लॉक, कोरमंगला, बैंगलुरू, कर्नाटक—560095
क्षेत्रीय कार्यालयः जीएमटीटी बिल्डिंग प्लॉट नं. डी—7, सेक्टर 3, नोएडा, उत्तर प्रदेश
उज्जीवन स्मॉल फाईनेंस बैंक, रायपुर शाखा

सार्वजनिक नीलामी नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) और 9 के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के तहत बिक्री हेतु सार्वजनिक नोटिस

अधोहस्ताक्षरी ने उज्जीवन स्मॉल फाईनेंस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में सरफासी अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर निम्नलिखित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक के देयों की वसूली के लिए नीचे वर्णित खाते में बंधक संपत्ति की सार्वजनिक नीलामी "जहाँ है जैसी है", "जो है, जहाँ है", "जो भी है" आधार पर नीचे तालिका में उल्लिखित तिथि को आयोजित की जायेगी।

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	कर्जदार/ सह–कर्जदार/ जमानती के नाम	13–2 नोटिस की तारीख और मांग राशि	भौतिक कब्जे की तारीख	वर्तमान बकाया शेष	संपत्ति निरीक्षण की तिथि व समय	आरक्षित मूल्य रु. में	धरोहर राशि जमा (ईएमडी) रु. में (आरक्षित मूल्य का 10%)	ई–नीलामी की तिथि व समय	बोली जमा करने की अंतिम तिथि	ईएमडी जमा करने के लिए खाता विवरण	संपर्क नंबर
1.	233921009000009 and 233921886000014	1. राहुल किराना एंड प्रोविजन स्टोर 2. श्री कृष्ण कुमार गेदम पुत्र कोहतू गेदम 3. मीना गेदम पत्नी कृष्ण कुमार गेदम 4. राहुल गेदम पुत्र कृष्ण कुमार गेदम	20 मार्च, 2023 रु. 3,855,069.71/–	01.07.2024	रु. 45,56,767.65/– (2339210090000009) दि. 05.03.2025 को और रु. 6,04,489.64/– (2339218860000014) दि. 05.03.2025 को	3 अप्रैल, 2025 अप. 01.00	रु. 2625000/–	रु. 2,62,500/–	16 अप्रैल, 2025 पूर्वा. 11.00 से पूर्वा. 11:30 तक	15 अप्रैल, 2025 अप. 04:00	ईएमडी उज्जीवन स्मॉल फाईनेंस बैंक के पक्ष में डिमांड ड्रॉफ्ट के माध्यम से रायपुर शाखा में जमा की जाए, जो स्थित हैः भूतल और प्रथम तल, 38/517, 518, 564/4, तात्यापाड़ा, वार्ड नं. 38, रायपुर—492001	9329427916, 9950157892, 9983365566

पुराना खसरा नं. 403, नया खसरा नं. 403/2, एरिया 1200 वर्ग फुट, स्थित गुधियारी, पी.सी. नं. 107, आर.आई.सी.— रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) के समस्त भाग व खंड जिसकी सीमाएँ निम्नवत् हैं— उत्तरः रोड, पूर्वः विक्रेता की जमीन, दक्षिणः अन्य की जमीन, पश्चिमः रोड

नियम एवं अनुदेशः

ई–नीलामी "जैसी हैं, जहाँ हैं" और "जहाँ है, जो भी हैं" आधार पर आयोजित की जा रही है।

1. प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में संपत्ति पर कोई भार नहीं है। हालांकि इच्छुक बोलीकारी बोली जमा करने से पूर्व नीलामी की जाने वाली संपत्ति पर किसी भी प्रकार के भार, संपत्ति पर हक, दावे/ अधिकार/बकाया आदि की अपनी जांच–पड़ताल कर लें। ई–नीलमी का विज्ञापन बैंक की ओर से कोई वायदा या बयान नहीं करता है और न ही ऐसा समझा जाए। संपत्ति बैंक को ज्ञात एवं अज्ञात सभी वर्तमान एवं भावी भारों के साथ बेची जा रही है। प्राधिकृत अधिकारी/ प्रत्याभूत देनदार तीसरी पार्टी दावों/अधिकारों/देयों के लिए किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे।
2. बोली जमा करने से पूर्व सभी प्रकार से जांच करने और परिसंपत्ति एवं विनिर्देशन के बारे में संतुष्ट होने की जिम्मेदारी स्वयं बोलीकार की होगी। नीलामी के लिए रखी संपत्ति/ओं के निरीक्षण प्रत्येक संपत्ति के विवरण में वर्णित साइटों पर इच्छुक निविदाकार को अनुमत होंगे।
3. इच्छुक निविदाकार को उपरोक्त नीलामी तिथि से पूर्व अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी के पास अपनी बोली जमा करनी होगी।
4. ई–नीलामी उज्जीवन स्मॉल फाईनेंस बैंक के अनुमोदित ई–नीलामी सेवा प्रदाता – मैसर्स सी–1 इंडिया प्रा. लि., संपर्क व्यक्ति– प्रभाकरन (मोबा. नं. 7418281709) के माध्यम से आयोजित की जायेगी। इच्छुक निविदाकार संपत्तियों के विवरण के लिए वेबसाइट https://www.bankeauctions.com या https://www.ujjivansfb.in/e-auctions देखें और बोली में भाग लेने के लिए वे पोर्टल https://www.bankeauctions.com पर अपना नाम पंजीकृत करें और निःशुल्क लॉगिन आईडी व पासवर्ड प्राप्त करें। संभावी निविदाकार सेवा प्रदाता मैसर्स सी–1 इंडिया प्रा. लि., हेल्पलाइन नं.– 7291918824, 25, 26, सपोर्ट ई–मेल आईडीः support@bankeauctions.com, नीलामी पोर्टलः https://www.bankeauctions.com से ई–नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।
5. संपत्ति प्रत्याभूत लेनदार अर्थाज उज्जीवन स्मॉल फाईनेंस बैंक लि. द्वारा बोली स्वीकृति के तहत उच्चतम बोलीकार/पेशकश को बिक्री की जायेगी। हालांकि, यदि जरूरी लगा तो परस्पर बोली कराने की अनुमति देना का विवेक अधोहस्ताक्षरी को होगा। प्राधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण दिए किसी ऑफर/निविदा को स्वीकर या अस्वीकार करने का अधिकार होगा।
6. सफल निविदाकार की धरोहर राशि जमा बिक्री राशि के लिए रोक ली जायेगी और असफल निविदाकारों की ईएमडी वापस कर दी जायेगी। धरोहर राशि जमा पर कोई ब्याज नहीं होगी। सफल बोलीकार को अंतिम बिक्री राशि अर्थात संपत्ति की नीलामी राशि का 25% पहले से भुक्त ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बोली मूल्य स्वीकृति के 24 घंटे के अंदर जमा करनी होगी और शेष 75% राशि संपत्ति की बिक्री की तिथि से 15 दिन के अंदर या केवल प्राधिकृत अधिकारी के विवेक से लिखित में सहमत ऐसी किसी विस्तारित अवधि जो किसी भी अवस्था में 3 माह से अधिक नहीं होगी, के अंदर जमा करनी होगी। निर्धारित अवधि के अंदर भुगतान न होने पर पहले से जमा राशिज्ञ जब्त किए जाने के लिए संभावी होगी और संपत्ति नयी बिक्री उद्घोषणा के बाद दुबारा बेची जायेगी और चूककर्ता क्रेता के संपत्ति पर या बाद में इसकी बिक्री से प्राप्त राशि पर सभी दावे खत्म हो जायेंगे।
7. प्रकाशन अप्रत्याक्षित घटना के तहत है।
8. बोलीकार के स्वयं के हित में अंतिम क्षणों में बोली करने से बचा जाए क्योंकि किसी चूक/कमी (इंटरनेट/बिजली आदि नहीं होना) के लिए न तो उज्जीवन स्मॉल फाईनेंस बैंक और न ही सेवा प्रदाता जिम्मेदार होंगे। ऐसी किसी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए निविदाकारों से सभी जरूरी व्यवस्था/विकल्प जैसे बिजली आपूर्ति आदि करने का अनुरोध है ताकि वे किसी भी परिस्थिति से पार पा सकें और नीलामी में बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

यह बंधक संपत्तियों की बिक्री के लिए अनुसूचित सार्वजनिक नीलामी के बारे में उपरोक्त नामित कर्जदारों/जमानती/बंधककर्ताओं को एक नोटिस भी है।

दिनांकः 27.03.2025
स्थानः नोएडा

प्राधिकृत अधिकारी,
उज्जीवन स्मॉल फाईनेंस बैंक

PUBLIC ANNOUNCEMENT PURSUANT TO PROVISION OF CLAUSE (iv), (v), (vi) AND (ix) OF ANNEXURE A TO SEBI CIRCULAR NO. SEBI/HO/MRD/DSA/CIR/P/2016/110 DATED OCTOBER 10, 2016

FROM

Kishor Abhaychand Turakhia S/o Shri Abhaychand Turakhia resident of 8-105, Swethambri Apartment, 2nd Floor, N.S. Road no.-5(Extension), Gulmohar Cross Road No. 6, JVPD Scheme, Juhu, Mumbai-400 049.

Kishor Abhaychand Turakhia is one of the public shareholder of PAN-India Drugs & Chemicals Limited ("PIDCL"). PIDCL was listed on the Madhya Pradesh Stock Exchange, which has been de-recognised by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"). Consequently, PIDCL has been moved to the Dissemination Board ("DB") of the BSE Limited ("BSE"). PAN-India Drugs & Chemicals Limited was originally incorporated as a Public Limited Company under the Companies Act, 1956 under the name and style PAN-India Drugs & Chemicals Limited vide Certificate of Incorporation dated March 26, 1992. Presently, company is engaged in the business of manufacture, produce and distribute, sell, make, market research, import export and to deal in all kinds of bulk drugs, fine chemicals drugs intermediates, chemicals, solvents, pharmaceuticals etc.

Financial and Other Information of PIDCL's:

i. **Name of the Company**: PAN-India Drugs & Chemicals Limited (CIN: U24232MP1992PLC007026)
ii. **Registered Office**: Plot No. 323 Sector (E) Industrial Area Sanwer Road Indore 452006. Ph No. +91 9833720407, E-Mail: panindia1992@gmail.com.
iii. **Shareholding**: As on March 31, 2024, the paid-up equity share capital of PIDCL was Rs. 699.31 Lakh comprising of 6993125 equity shares of Rs. 10/- (Rupees Ten Only) each fully paid up. Out of the total 6993125 equity shares issued by PIDCL, 10000 equity shares representing 0.14% are held by the Promoters. The remaining 6983125 equity shares representing 99.86% are held by public shareholders out of which 8,50,400 equity shares are held by Kishor Abhaychand Turakhia, acquirer to the exit offer. As on March 20, 2025, PIDCL had 4955 Public shareholder folios.
iv. **Summary Financials**: As per its audited financial statements for the last three years, PIDCL's Net Worth and Net Profit/(Loss) after tax was as follows:

(Rs. In Lakh)

Particulars	30.09.2024 (Un-Audited)	31.03.2024 (Audited)	31.03.2023 (Audited)	31.03.2022 (Audited)
Paid up equity share capital	699.31	699.31	699.31	699.31
Net Worth	425.02	425.31	427.09	426.90
Net Profit/(Loss) After Tax	(0.29)	(1.78)	0.18	2.38

The SEBI vide its Circular No. SEBI/HO/MRD/DSA/CIR/P/2016/110 dated October 10, 2016 ("SEBI Circular"), has stipulated the procedure and process for exit of Exclusively Listed Companies ("ELC") from the DB. As provided in Clause (i) of Annexure A of the SEBI Circular, PIDCL on March 03, 2025 have appointed M/s D & A Financial Services (P) Limited, a category I Merchant Banker as an Independent Valuer from BSE's panel of expert valuers. The said Independent Valuer after taking into consideration the applicable valuation methodologies, has issued its Valuation Report dated March 10, 2025 and has determined the fair value of an equity shares of PIDCL as Rs. 4.97 per share. The Valuation Report will be available for inspection at Registered Office of PIDCL during office hours for a period of ten days from the date of this Public Announcement.

We are therefore making Exit offer to acquire the shares of the Company from the Public shareholders at a price of Rs. 6.00 per Equity Share ("Exit or Offer Price"), the value being more than determined by the Independent Valuer as stated above. The offer letter along with Blank Transfer Deed is being dispatched to only those public shareholders whose names appear on the register of the shareholders of the Company on **March 24, 2025 ("Specified Date")**.

According to Offer, you may tender your shares at the Exit or offer price along with valid Share Transfer Deed to the address of the Company to the Exit offer, as mentioned below:

PAN-India Drugs & Chemicals Limited
Plot No. 323 Sector (E) Industrial Area Sanwer Road Indore 452006
Tel: +91 9833720407, Email: panindia1992@gmail.com
Contact Person: Mr. Ashish Shah

The exit offer shall open on April 07, 2025 and will close on April 24, 2025. During the tendering period Public shareholders can tender shares as prescribed above.

The shareholders who could not tender their shares within the above-mentioned Offer Period, have right to tender the shares up to a period of one year from the date of completion of offer at the same price of Rs. 6.00 per share as determined by the D & A Financial Services Private Limited. The acquirer of PIDCL hereby declare that they undertake the liability to acquire such shares.

Sd/-
Kishor Abhaychand Turakhia
(Acquirer)

Place: Indore
Date: 26.03.2025